

भाजपा नेता व पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री. राम नाईक द्वारा
22 फरवरी 2013 को मुंबई में पत्रकार परिषद में प्रसारित वक्तव्य

मुंबई उपनगरीय रेल यात्रियों को रेल बजट में न्याय दें : राम नाईक

मुंबई, शुक्रवार : जनवरी में रेल यात्री किराया वृद्धि करते समय रेल बजट 2013-2014 में फिर से किराया न बढ़ाने के अपने वादे पर रेल मंत्री श्री. पवन कुमार बन्सल अटल रहे, साथ ही मुंबई उपनगरीय रेल के लिए रु.1,000 करोड का प्रावधान करें, डहाणू-चर्चगेट रेल सेवा तुरंत प्रारंभ करें, आदी आठ माँगों का आवेदन भाजपा नेता व पूर्व रेल राज्य मंत्री श्री. राम नाईक ने रेल मंत्री श्री. पवन कुमार बन्सल को दिया है. आज मुंबई में पत्रकार परिषद में श्री. राम नाईक ने यह जानकारी दी.

यात्रियों के माँगों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री.राम नाईक ने कहा, ‘पिछले वर्ष 9 दिसंबर को मैंने नई दिल्ली जाकर मुंबई उपनगरीय रेल सेवा के विषय में रेल मंत्री से विस्तार से चर्चा की थी. मुंबई आकर यात्री संगठनों से उन्होंने चर्चा करनी चाहिए ऐसा अनुरोध भी किया था. रेल मंत्री ने तब वादा जरूर किया था मगर वे मुंबई आए ही नहीं. आखिर पिछले सप्ताह में रेल बजट के लिए चर्चा करने के लिए हमने दिल्ली में समय माँगा मगर उन्होंने कोई जबाब नहीं दिया. तो फिर हमने उन्हें आठ प्रमुख माँगों का आवेदन भेज कर उस पर विचार करने का अनुरोध किया है. इस माँग पत्र में हमने जो प्रमुख माँग की है वह अर्थात किराया वृद्धि न करने की है. पिछले महिने में रेल किराया बढ़ाते समय बजट में किराया न बढ़ाने का जो वादा रेल मंत्री ने किया था उस पर वे अटल रहे. अब कोई नई वजह देकर वे किराया न बढ़ाए ऐसी भाजपा की प्रमुख माँग है.’

श्री. राम नाईक के आवेदन में अन्य माँगे इस प्रकार है : **1)** मुंबई नागरी परिवहन योजना (एमयुटीपी) 1 व 2 पूरी करने के लिए वर्ष 2013-2014 के रेल बजट में रु. 1,000 करोड का प्रावधान किया जाए. पिछले वर्ष मात्र रु.500 करोड का प्रावधान किया गया था. **2)** मुंबई की सभी योजनाओं की तथा यात्रियों के लिए दी जानेवाली सुविधाएं, स्थानक सुधार, आदि की विस्तार से जानकारी देनेवाली श्वेतपत्रिका बनायी जाए. **3)** अरसे से जिसकी प्रतिक्षा है वह चर्चगेट-डहाणू लोकल सेवा तुरंत शुरु करें. मुंबई रेल विकास निगम ने विरार-डहाणू रेल मार्ग को चौड़ा करने का काम पुरा किए दो वर्ष हो गये. बिजली प्रणाली भी डीसी से एसी

कर दी है. अब यह योजना शुरू न करने की कोई वजह नहीं है. हो रही देरी के कारण यात्रियों का संयम टूट रहा है. किसी भी समय उनका गुस्सा आपे से बाहर हो सकता है. 4) बिजली प्रणाली डीसी से एसी करने के कारण फिलहाल प्रति घंटा 80 किलोमीटर से दौड़ रही उपनगरी गाडी की रफ्तार 100 किलोमीटर तक बढ़ा सकते हैं. याने रफ्तार में 25 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है. इसलिए समयसारिणी में उचित बदलाव किया जाए और उसके लिए यात्री संगठन को विश्वास में लिया जाए. 5) भीड़ कम करने के लिए प्रभावी तथा तात्कालिक उपाय के तौर पर सभी 9 डिब्बों की गाडियाँ 12 डिब्बों की बनायी जाए. बाद में सभी गाडियाँ 15 डिब्बों की करने के लिए युद्धस्तर पर योजना बनायी जाए. 6) पिछले रेल बजट में 50 एस्कलेटर्स 2012-2013 में ही पुरे किए जाएंगे ऐसा कहा गया था. किंतु ना मध्य रेल पर, ना पश्चिम रेल पर एक भी एस्कलेटर अब तक पुरा हुआ है. इस रेल बजट में मध्य रेल पर 33 एस्कलेटर्स के लिए रु. 20.79 करोड का तो पश्चिम रेल पर 18 एस्कलेटर्स के लिए रु. 11.34 करोड का खर्चा है ऐसा बता कर मात्र रु. 10 लाख का प्रावधान किया गया था. आनेवाले रेल बजट में इस योजना के लिए पुरा प्रावधान कर सभी एक्सलेटर्स जल्द से जल्द पुरे करने चाहिए. 7) एलिक्ट्रेड रेल योजना कई महिनों से सिर्फ अखबारी सुर्खियों में हैं. पिछले रेल बजट के भाषण में रेल मंत्री ने भी उसका जिक्र तो किया किंतु वास्तविकता में एक रुपैये का भी प्रावधान नहीं किया. इस संदर्भ में कोई भी निर्णय करने से पहले पश्चिम रेल पर चर्चगेट से विरार तक और मध्य रेल पर छत्रपती शिवाजी टर्मिनस से कल्याण तक कुल कितना खर्चा आएगा, कितना प्रावधान होगा इस पर विस्तार से चर्चा करें और बाद में ही निर्णय लें.

पिछले रेल बजट की बहस में लोकसभा के 216 सांसदों ने हिस्सा लिया था. उनमें मंत्री होने के कारण मुंबई के सांसद श्री. मिलींद देवड़ा ने हिस्सा नहीं लिया यह बात समझ में आती है. किंतु मुंबई के रेल यात्रियों का यह दुर्भाग्य है कि सर्वश्री संजय निरुपम, गुरुदास कामत, एकनाथ गायकवाड और श्रीमती प्रिया दत्त 'मौनी' सांसद बने, तो मुंबई राष्ट्रवादी के छटवे सांसद श्री. संजय पाटील ने अपना लिखित भाषण संसद में पेश किया, ऐसी जानकारी देकर अंत में श्री. राम नाईक ने कहा कि उम्मीद है कि मुंबई के सांसद इस वर्ष मुंबई के रेल यात्रियों की समस्याओं को उजागर करेंगे.

(कार्यालय मंत्री)

RAM NAIK
Former Petroleum Minister
National Convener
BJP MPs - MLAs Development Cell



**By Courier
Very Urgent**

9 Shivsmriti, 51 Jaiprakash Nagar
Goregaon East, Mumbai 400 063.
Tel.: 022-2686 33 39, Fax : 022-2686 11 33
email : info@ramnaik.com
website : www.ramnaik.com

**Ref: 128
19th February 2013**

**Shri Pawan Kumar Bansal
Minister of Railways
Rail Bhavan
Rafi Marg
New Delhi 110 001.**

**Railway Budget 2013-2014 - Provisions for
Mumbai Suburban Railway System**

Dear Shri Bansal jee,

Kindly refer to my letter dated 4th December, 2012 and the personal discussion I had with you on 9th December, 2012 when I raised some important issues and problems of Mumbai Suburban Commuters. I enclose a zerox copy of the letter for your ready reference.

Though I had requested to you to visit Mumbai to have dialogue with the commuter organizations to understand the problems of the commuters and you had promised to visit Mumbai, the visit has not materialized so far. You would be now busy in formulating Budget Proposals for 2013-2014. I thought it advisable to draw your attention to the vexed problems of Mumbai Suburban Commuters and place before you the various suggestions.

After our discussion on 9th December, 2012, you announced the increase in railway passenger fares on 9th January, 2013 which was made applicable from 21st January, 2013. It is my considered opinion that such an increase should have been announced in the Parliament and made applicable only after approval of the Parliament. Your decision has belittled the supremacy of the Parliament. You had also assured that you would not increase the railway fares in your Budget for 2013-2014. Meanwhile the Petroleum Minister has introduced duel pricing system for diesel and has increased the diesel rate by Rs. 11.30 per litre for bulk consumers like railways, state transport organizations, etc. I wonder how you will honour your words in these circumstances.

..2..

RAM NAIK
Former Petroleum Minister
National Convener
BJP MPs - MLAs Development Cell



9 Shivsmriti, 51 Jaiprakash Nagar
Goregaon East, Mumbai 400 063.
Tel.: 022-2686 33 39, Fax : 022-2686 11 33
email : info@ramnaik.com
website : www.ramnaik.com

..2..

Moreover there have been frequent breakdowns in the last 2 months which have been disorganizing the Suburban Railway System. Hardly a day passes when there is no dislocation at one place or the other. It is desirable that a serious note is taken of these disruptions and a sufficient provision is made for repairs and maintenance of the Suburban Railway System.

In view of the above I enclose a note which should be taken cognizance while finalizing the Budget Proposals for 2013-2014.

I do hope that your Budget Proposals will meet the expectation of the Mumbai Suburban Railway commuters.
With regards,

Yours sincerely,

(Ram Naik)
(former Minister of State for Railways
- Independent Charge)

Encl: as above


RAM NAIK
Former Petroleum Minister
National Convener
BJP MPs - MLAs Development Cell



9 Shivsmriti, 51 Jaiprakash Nagar
Goregaon East, Mumbai 400 063.
Tel.: 022-2686 33 39, Fax : 022-2686 11 33
email : info@ramnaik.com
website : www.ramnaik.com

**Important Suggestions for Mumbai Suburban Railway System for
Budget Proposals for the year 2013-2014**

- 1) There should be **no increase in fare** as assured by the Railway Minister on 9th January 2013 while increasing the fares for railway passengers.
- 2) **The Budget allocation** for major projects under MUTPI & II for 2013-14 should be **increased to Rs. 1,000 crore** against Rs. 500 crore in 2012-13 and efforts should be made to complete all on-going projects.
- 3) **White Paper on Mumbai Suburban Railway System** indicating the position of each and every project and also the improvement in station amenities and buildings should be **published**.
- 4) **Introduction of Churchgate - Dahanu locals** to cater to the growing number of commuters from Virar to Dahanu. This area was included in Mumbai Suburban Section in 1991. When the Mumbai Rail Vikas Corporation (MRVC) was incorporated, a project for widening of tracks between Virar - Dahanu was taken up under MUTP-I. It has been now completed. The DC (Direct Current) traction has also been converted into AC (Alternate Current). Hence **it is the need of the hour to introduce direct Churchgate - Dahanu locals**. There is no genuine reason for not introducing them. Western Railway administration has been giving lame excuses for not introducing these trains. The commuters' wrath may explode at any time due to this delay.
- 5) **Need for a new time table on the Western Railway:** As a result of conversion from DC to AC traction, the local trains can now run at 100 kms per hour instead of the present speed limit of 80 kms, increase by 25 %. The present local time table is formulated on the basis of 80 kms speed. The signal system has been also modernized. Hence there is no technical difficulty in running the trains at 100 kms per hour. **It is therefore necessary to prepare a new time table taking into consideration this extra 25% additional rake time available.** The revised time table should be finalized after taking into confidence the commuters' organizations.
- 6) **Conversion to 12 & 15 Coach Rakes :** The only short term measure to reduce over - crowding of trains is **to convert all existing 9 coach rakes to 12 coach rakes and subsequently to 15 coach rakes.**
- 7) **Construction of Escalators:** The Budget Speech for 2012-13 [Para 81 (i)] had stated that 50 escalators would be commissioned to facilitate easy movement of passengers during 2012 - 13. The Pink Book, had entries of 33 nos. escalators for the Central Railway at the cost of Rs. 20.79 crore and 18 nos. on the Western Railway for Rs. 11.34 crore. **However not even one escalator has been commissioned so far. Provide funds to complete them in 2013-14.**
- 8) **Elevated Railway System :** Many news appeared in the media about the Elevated Railway System on Western as well as Central Railway. However no specific and authoritative information has come from The Railway Board. **The decision about Elevated Railway System should not be taken in hurry; there has to be a full debate on its usefulness, economics, finance and other relevant issues.**


(Ram Naik)
(former Minister of State
for Railways - Independent Charge)